MR. CHAIRMAN: What is your question? Please come straight to your question. There is no need of giving any background.

SHRI J. CHITHARANJAN: Sir, I am putting my question.

MR. CHAIRMAN: What is the question?

SHRI J. CHITHARANJAN: The question is: has the Government given an undertaking to the companies which have set up their industrial units in Export Promotion Zones? Has the Government also taken a decision that the labour laws in the country will not be made applicable in that area?

SHRI ARUN SHOURIE: Sir, no such decision has been taken, and, as far as I know, it is the State Governments which are competing with each other, which are trying to attract investments in these Special Economic Zones also. They have announced that, 'yes' they would be looking at labour laws afresh. In this very House, on an earlier occasion, I had read out the proposals of the Maharashtra Government—of Mr. Vilasrao Deshmukh— on what they would do about changing labour laws in these Zones, as well as, in general.

SHRI J. CHITHARANJAN: What is the policy of the Government in that regard?

श्री सभापति: क्वेश्चन आवर पॉलिसी के बारे में जानकारी देता है।

दवाओं में मिलावट के मामले

*198. **श्री जनेश्वर मिश्र:** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दवाओं में मिलावट के कई मामले प्रकाश में आए हैं;

(ख) यदि हां, तो किन-किन दवाओं में मिलावट की सबसे ज्यादा संभावनाएं हैं; और

(ग) इन मामलों में अब तक जिन लोगों को सजा दी गई है उनका ब्यौरा क्या है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री शत्रुघ्न सिन्हा):

(क) से (ग) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) जी, हां। औषधों की मिलावट के दृष्टांत सरकार के ध्यान में आए हैं।

(ख) गोलियां और कैपसूल ऐसी औषधें हैं जिनमें आमतौर पर बेईमान व्यक्तियों द्वारा मिलावट की जाती है।

(ग) राज्य औषध नियंत्रकों द्वारा दी गई आधारिक सूचना के अनुसार, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से नकली औषधों के 17 मामले सूचित किए गए हैं। इस संबंध में 68 व्यक्तियों को 2000-2001 की अवधि के दौरान गिरफ्तार किया गया है। विवरण-I और II संलग्न हैं।

विवरण-I

उन मामलों जिनमें नकली औषधों की एक बड़ी खेप का पता लगाया है, की संख्या

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	2000-2001	1-4-2001 से 26-11-2001
1	2	3	4
1.	आंध्र प्रदेश	शून्य	4
2.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	शून्य	शून्य
3.	असम	शून्य	शून्य
4.	अरुणाचल प्रदेश	शून्य	शून्य
5.	बिहार	शून्य	2
6.	चंडीगढ़	शून्य	शून्य
7.	दिल्ली	1	1
8.	गोवा	शून्य	शून्य
9.	गुजरात	शून्य	1
10.	हरियाणा	शून्य	शून्य
11.	हिमाचल प्रदेश	शून्य	शून्य
12.	जम्मू और कश्मीर	शून्य	शून्य
13.	कर्नाटक	शून्य	1
14.	केरल	शून्य	शून्य
15.	मध्य प्रदेश	शून्य	शून्य
16.	महाराष्ट्र	शून्य	2
17.	मेघालय	शून्य	शून्य
18.	मणिपुर	शून्य	शून्य

1	2	3	4
19.	मिजोरम	शून्य	शून्य
20.	नागालैंड	शून्य	शून्य
21.	उड़ीसा	शून्य	शून्य
22.	पांडिचेरी	शून्य	शून्य
23.	पंजाब	शून्य	शून्य
24.	राजस्थान	1	2
25.	सिक्किम	शून्य	शून्य
26.	तमिलनाडु	शून्य	शून्य
27.	त्रिपुरा	शून्य	शून्य
28.	उत्तर प्रदेश	2	शून्य
29.	पश्चिम बंगाल	शून्य	शून्य
30.	दमन और दीव	शून्य	शून्य
31.	दादरा एवं नगर हवेली	शून्य	शून्य
32.	लक्षद्वीप	शून्य	शून्य
	कुल:	4	13

विवरण-II

नकली औषधों के विनिर्माण और व्यापार के संबंध में पकड़े गए व्यक्तियों की संख्या

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	2000-2001	1-4-2001 से 26-11-2001
1	2	3	4
1.	आंध्र प्रदेश	शून्य	48
2.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	शून्य	शून्य
3.	असम	शून्य	शून्य
4.	अरुणाचल प्रदेश	शून्य	शून्य
5.	बिहार	शून्य	2

1	2	3	4
6.	चंडीगढ़	शून्य	शून्य
7.	दिल्ली	1	6
8.	गोवा	शून्य	शून्य
9.	गुजरात	शून्य	1
10.	हरियाणा	शून्य	शून्य
11.	हिमाचल प्रदेश	शून्य	शून्य
12.	जम्मू और कश्मीर	शून्य	शून्य
13.	कर्नाटक	शून्य	शून्य
14.	केरल	शून्य	शून्य
15.	मध्य प्रदेश	शून्य	शून्य
16.	महाराष्ट्र	शून्य	2
17.	मेघालय	शून्य	शून्य
18.	मणिपुर	शून्य	शून्य
19.	मिजोरम	शून्य	शून्य
20.	नागालैंड	शून्य	शून्य
21.	उड़ीसा	शून्य	शून्य
22.	पांडिचेरी	शून्य	शून्य
23.	पंजाब	शून्य	शून्य
24.	राजस्थान	1	5
25.	सिक्किम	शून्य	शून्य
26.	तमिलनाडु	शून्य	शून्य
27.	त्रिपुरा	शून्य	शून्य
28.	उत्तर प्रदेश	2	शून्य
29.	पश्चिम बंगाल	शून्य	शून्य
30.	दमन और दीव	शून्य	शून्य
31.	दादरा एवं नगर हवेली	शून्य	शून्य
32.	लक्षद्वीप	शून्य	शून्य
	कुल:	4	64

Cases of adulteration in medicines

†*198. SHRI JANESHWAR MISHRA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that many cases of adulteration in medicines have come to light;

(b) if so, the names of the medicines in which the possibility of adulteration is more; and

(c) the details of persons punished in such cases, so far?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI SHATRUGHAN SINHA): (a) to (c) A statement is laid on the table of the House.

Statement

(a) Yes Sir, instances of adulteration of medicines have come to the notice of the Government.

(b) Tablets and capsules are the medicines which are commonly adulterated by unscrupulous persons.

(c) As per the feedback given by State Drug Controllers, 17 cases of spurious drugs have been reported from Delhi, Rajasthan, Gujarat, A.P., Bihar, Karnataka, Maharashtra and U.P. 68 persons were arrested in this regard during the period 2000-2001. The Statements are at Statement I and II.

Statement-I

Number of cases where in a big haul of spurious drugs has been unearthed

Sl. No.	States/UTs	2000-2001	1.4.2001 to 26.11.2001
1	2	3	4
1.	Andhra Pradesh	Nil	4
2.	A & N Island	Nil	Nil

†Original notice of the question was received in Hindi.

1	2	3	4
3.	Assam	Nil	Nil
4.	Arunachal Pradesh	Nil	Nil
5.	Bihar	Nil	2
6.	Chandigarh	Nil	Nil
7.	Delhi	1	1
8.	Goa	Nil	Nil
9.	Gujarat	Nil	1
10.	Haryana	Nil	Nil
11.	Himachal Pradesh	Nil	Nil
12.	Jammu and Kashmir	Nil	Nil
13.	Karnataka	Nil	1
14.	Kerala	Nil	Nil
15.	Madhya Pradesh	Nil	Nil
16.	Maharashtra	Nil	2
17.	Meghalaya	Nil	Nil
18.	Manipur	Nil	Nil
19.	Mizoram	Nil	Nil
20.	Nagaland	Nil	Nil
21.	Orissa	Nil	Nil
22.	Pondicherry	Nil	Nil
23.	Punjab	Nil	Nil
24.	Rajasthan	1	2
25.	Sikkim	Nil	Nil
26.	Tamil Nadu	Nil	Nil
27.	Tripura	Nil	Nil
28.	Uttar Pradesh	2	Nil
29.	West Bengal	Nil	Nil
30.	Daman and Diu	Nil	Nil
31.	Dadra and Nagar Haveli	Nil	Nil
32.	Lakshadweep	Nil	Nil
	TOTAL:	4	13

Statement-II

Number of persons apprehended for manufacturing and trading of spurious drugs

Sl. No.	States/UTs	2000-2001	1.4.2001 to 26.11.2001
1	2	3	4
1.	Andhra Pradesh	Nil	48
2.	A & N Island	Nil	Nil
3.	Assam	Nil	Nil
4.	Arunachal Pradesh	Nil	Nil
5.	Bihar	Nil	2
6.	Chandigarh	Nil	Nil
7.	Delhi	1	6
8.	Goa	Nil	Nil
9.	Gujarat	Nil	1
10.	Haryana	Nil	Nil
11.	Himachal Pradesh	Nil	Nil
12.	Jammu and Kashmir	Nil	Nil
13.	Karnataka	Nil	Nil
14.	Kerala	Nil	Nil
15.	Madhya Pradesh	Nil	Nil
16.	Maharashtra	Nil	2
17.	Meghalaya	Nil	Nil
18.	Manipur	Nil	Nil
19.	Mizoram	Nil	Nil
20.	Nagaland	Nil	Nil
21.	Orissa	Nil	Nil
22.	Pondicherry	Nil	Nil
23.	Punjab	Nil	Nil

12.00 NOON

1	2	3	4
24.	Rajasthan	1	5
25.	Sikkim	Nil	Nil
26.	Tamil Nadu	Nil	Nil
27.	Tripura	Nil	Nil
28.	U. P.	2	Nil
29.	W. Bengal	Nil	Nil
30.	Daman and Diu	Nil	Nil
31.	Dadra and Nagar Haveli	Nil	Nil
32.	Lakshadweep	Nil	Nil
	TOTAL:	4	64

श्री जनेश्वर मिश्र: सभापति जी, मंत्री जी ने जो जवाब दिया है उसमें यह नहीं बताया है कि कितने किस्म की जीवन रक्षक दवाएं ऐसी हैं जिनमें मिलावट हो रही है। क्या राज्य ड्रग कंट्रोलर से उन्हें इस प्रकार की रिपोर्ट मिली है?

श्री शत्रुघ्न सिन्हा: सभापति जी, हमें जो जानकारी मिली है, उसमें स्टेट ड्रग कंट्रोलर ने दिल्ली से सत्रह ड्रग केसेस की रिपोर्ट दी है ...(**व्यवधान**)...

श्री जनेश्वर मिश्र: सभापति जी, हमने जीवन रक्षक दवाओं के बारे में पूछा है। इसके बारे में जवाब दिलवाइए।

श्री सभापति: जीवन रक्षक क्या होता है, आप उन्हें बता दीजिए।

श्री संघ प्रिय गौतम: बारह बजे समय समाप्त हो जाएगा।

श्री सभापति: बारह बजे समाप्त हो जाएगा तो क्या हुआ, बजने दीजिए।

श्री शत्रुघ्न सिन्हा: लाइफ सेविंग ड्रग्स के हमारे पास जो केसेज आए हैं, अभी इस वक्त इक्जैक्ट तो मैं नहीं बता सकता हूं, लेकिन वैसे 68 लोगों के ऊपर चार्ज हुआ है।

श्री जनेश्वर मिश्र: लाइफ सेविंग ड्रग्स में मिलावट के लिए 68? ...(**व्यवधान**)

श्री शत्रुघ्न सिन्हा: मैं बता रहा हूं ...(**व्यवधान**)

श्री सभापति: सदन की आज्ञा से प्रश्नकाल का समय मैं पांच मिनट और बढ़ाता हूं। आप बोलिए।

श्री शत्रुघ्न सिन्हा: अभी मैं नहीं कह सकता हूं कितनी लाइफ सेविंग ड्रग्स, जो ड्रग्स जीवन रक्षा करती हैं ... (व्यवधान) सारे सवाल तो मुझसे हो रहे हैं . . . (व्यवधान)

श्री सभापति: पूरी तैयारी है आपकी। अब ज्यादा अच्छा है आप बैठने की तैयारी करें

Health care facilities in the country

*199. MISS MABEL REBELLO: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) the Doctor-Nurse ratio, doctor-population ratio, population per para-medical personnel and population per bed both in rural and urban areas during the last three years, State-wise;

(b) the percentage of the above resources owned and managed by Government;

(c) whether Government have any plan to increase the health care facilities in Government hospitals; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI SHATRUGHAN SINHA): (a) to (d) A Statement is laid on the table of the House.

Statement

The information available in the Ministry of Health and Family Welfare is annexed at Statement I to III (*See* below). Health being a State subject under the Constitution of India, it is the responsibility of the respective State to provide necessary health care facilities in their Government hospitals according to the need and resources available with them. The Central Government, however, apart from the assistance given under various Centrally sponsored schemes, also support the State Governments for upgrading secondary health care system with the World Bank assistance under State Health System Projects. So far as Central Government Hospitals are concerned, sufficient health care facilities are available there. Improvement/upgradation of health care facilities in the Central Government Hospitals is a continuous process and necessary measures are being taken in view of the advancement of medical science and available resources.